दिनांक : 16 अगस्त 2017

आकाशवाणी गोरखपुर

प्रादेशिक समाचार **7:20 AM**

मुख्य समाचार–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वर्ष दो हजार बाईस तक नए भारत के निर्माण के लिए मिलजुल कर काम करने का आह्वान।
- स्वतंत्रता दिवस पर कल लालकिले की प्राचीर से सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने जातिवाद और सम्प्रदायवाद को देश के लिए बताया जहर। भारत जोड़ो पर दिया जोर।
- श्री मोदी ने कहा– आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कोई नरमी नहीं।
- स्वाइन फ्लू के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर प्रदेश के सभी विद्यालयों में सुबह होने वाली प्रार्थना सभाओं पर फिलहाल रोक लगाने के निर्देश।
- नेपाल और बिहार की सीमा से लगे जिलों में बाढ़ की स्थिति हो रही है गम्भीर।

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस की सत्तरवीं वर्षगांठ कल पूरे देश में उत्साह और उमंग के वातावरण में देशभक्ति की भावना के साथ मनायी गयी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में लालकिले की प्राचीर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने दो हजार बाईस तक नए भारत के निर्माण के लिए देशवासियों के सामूहिक संकल्प की आवश्यकता बतायी। उन्होंने कहा कि न्यू इण्डिया का संकल्प लेकर हमें देश को आगे बढ़ाना है। सवा सौ करोड़ देशवासियों के संकल्प और पुरूषार्थ से ही यह सम्भव है। उन्होंने कहा कि सामूहिक शक्ति से ही हम देश में परिवर्तन ला सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके लिए हमें संकल्पबद्ध होना होगा। उन्होंने कहा कि बदला है, बदल रहा है और बदल सकता है के विश्वास के साथ हम आगे बढ़ सकते हैं और संकल्प, सिद्धि में परिवर्तित हो सकता है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर अपने तीन वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों की भी चर्चा की। जी.एस.टी. लागू होने की चर्चा करते हुए उहोंने कहा कि यह विश्व के लिए अजूबा है। यह देश की सामर्थ्य के प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि जी.एस.टी. के लागू होने से देश की कार्य क्षमता तीस प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने जी.एस.टी. के फायदे भी गिनाए। नोटबंदी की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे भ्रष्टाचार पर काबू पाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि वर्ष दो हजार उन्नीस से पहले निन्यानबे बड़ी योजनाओं को पूरा कर के किसानों के खेत तक पानी पहुंचा दिया जायेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरा देश प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों और गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुयी बच्चों की मौत से पीड़ित परिवारों के साथ है। अपने सम्बोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने दिव्य और भव्य भारत के निर्माण के लिए टीम इण्डिया का आह्वान किया।

♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦

प्रदेश/स्वतंत्रता दिवस

इकहत्तरवें स्वतंत्रता दिवस पर कल प्रदेश भर में उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना का वातावरण रहा। लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों, नगरों, कस्बों तथा दूर–दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में भी राष्ट्रीयध्वज फहराया गया। राज्यपाल राम नाईक ने राजभवन में और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन परिसर में राष्ट्रध्वज फहराया। इस मौके पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाना है। हमें प्रदेश के विकास का संकल्प लेना होगा। उन्होंने देश के लिये बलिदान देने वाले सपूतों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि यदि भारत को विकसित करना है तो इसका रास्ता उत्तर प्रदेश से जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घटना एक सबक है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा युवा जनसंख्या वाला राज्य है। लेकिन इसे झटका तब लगता है जब यहां इंसेफेलाइटिस, कालाजार, चिकनगुनिया और डेंगू जैसी बीमारियों से मौतें होती हैं। उन्होंने कहा कि इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियों का निराकरण स्वच्छ भारत मिशन में छुपा है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अपनी सरकार की उपलब्धियों का ब्यौरा दिया तथा कार्यक्रमों की चर्चा की। प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों और मदरसों सहित शिक्षण संस्थाओं में कल स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। लखनऊ में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रदेश मुख्यालय पर भी झण्डारोहण किया गया। राज्य के पुलिस महानिदेशक सुलखान सिंह ने पुलिस मुख्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦

पुलिस सम्मान

इकहत्तरवें स्वतंत्रता दिवस पर कल राज्य के पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट तथा सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। राज्य के पुलिस महानिदेशक सुलखान सिंह ने छः पुलिसकर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक, पचहत्तर पुलिस कर्मियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक, पचास पुलिस कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह, दो सौ पुलिस कर्मियों को सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह और एक सौ चार पुलिस कर्मियों को पुलिस महानिदेशक का प्रशंसा चिन्ह प्रदान किया। प्रदेश के आतंकवाद निरोधी दस्ते ए.टी.एस. के प्रमुख असीम अरूण तथा कई अन्य पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦

स्वाइन फ्लू

प्रदेश में स्वाइन फ्लू के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर राज्य के सभी मण्डलयुक्तों और जिलाधिकारियों को विद्यालयों में सुबह होने वाली प्रार्थना सभाओं पर फिलहाल रोक लगाने के निर्देश दिये गये हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव प्रशान्त त्रिवेदी ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारियों से सभी सरकारी तथा निजी विद्यालयों में प्रार्थना सभाओं पर रोक लगाने को कहा गया है।

उन्होंने बताया कि जिलाधिकारियों से विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को ऐसे प्रयास करने के निर्देश दिये गये हैं कि एक समय में अधिक बच्चे एक स्थान पर एकत्र न हों। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ो के अनुसार पिछली तेरह अगस्त तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू के छः सौ पन्चानबे मामले सामने आए और इनमें से इक्कीस लोगों की मौत हो गयी। प्रदेश में स्वाइन फ्लू की रोकथाम के लिए सभी जिलों में रैपिड रिसपान्स टीम का गठन किया गया है। सभी जिला अस्पतालों में दस बिस्तरो के आईसोलेशन वार्ड बनाए गये हैं तथा स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦

बाढ़

प्रदेश की नेपाल और पड़ोसी राज्य बिहार की सीमा से लगे जिलों में बाढ़ की स्थिति बिगड़ती जा रही है। नेपाल की सीमा से लगे बलरामपुर, महराजगंज और सिद्धार्थनगर जिलों से होकर गुजरने वाली नदियों का जल स्तर बढ़ गया है। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। नेपाल से पानी छोड़े जाने तथा वहां से निकलने वाले नालों में भारी मात्रा में पानी आ जाने के कारण इन जिलों के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गये हैं। सिद्धार्थनगर में बूढ़ी राप्ती, घोघी और कूड़ा नदियों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर होने के कारण नौगढ़ तथा शोहरतगढ़ तहसीलों के सौ से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। सिद्धार्थनगर जिले में राहत कार्यो के लिए एन.डी.आर.एफ. की मदद मांगी गयी है। सिद्धार्थनगर जिले के बाणगंगा नदी के जल स्तर में बढ़ोत्तरी होने से लखनापार–बदौली बांध कट गया है जिससे नदी का पानी कई गांवों में फैल रहा है। उधर वाल्मीकि नगर बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण कुशीनगर जिले में गण्डक नदी के तटवर्ती क्षेत्रों के गांव बाढ़ की चपेट में आ गये हैं। खड्डा और तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के कई गांवों का सम्पर्क जिला मुख्यालय से टूट गया है। तराई के जिलों में भी बाढ़ का असर है। पीलीभीत जिले में ट्रान्स शारदा क्षेत्र में राणा प्रताप नगर, नहरौसा और भुजिया में शारदा नदी तेजी से कटान कर रही है। कटान के कारण हुए जल जमाव से खेती को भारी नुकसान हो रहा है। इस बीच बिहार में आयी बाढ़ के कारण पूर्वी उत्तर प्रदेश से होकर बिहार जाने वाली कुछ रेलगाड़ियों का संचलन निरस्त कर दिया गया है।

♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦

राज्यपाल/मंजूरी

राज्यपाल राम नाईक ने राज्य विधानमण्डल के दोनों सदनों से पारित उत्तर प्रदेश ब्रज नियोजन और विकास बोर्ड संशोधन विधेयक दो हजार सत्रह को अपनी मंजूरी दे दी है। राजभवन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार इस विधेयक को पूर्व में अधिनियमित उत्तर प्रदेश ब्रज नियोजन और विकास बोर्ड संशोधन विधेयक दो हजार पन्द्रह में संशोधन के लिए पारित किया गया है। इस विधेयक के पारित होने से ब्रज नियोजन और विकास बोर्ड का नाम बदल कर ब्रज तीर्थ विकास परिषद करने, उपाध्यक्ष की नियुक्ति करने तथा उपाध्यक्ष को कतिपय महत्वपूर्ण कार्य देने और एक विधि सलाहकार की नियुक्ति की व्यवस्था हो सकेगी।

♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦

जन्माष्टमी

प्रदेश में जन्माष्टमी का पर्व कल भी मनाया गया। लोगों ने विभिन्न स्थानों पर लगायी गयीं भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और जीवन से जुड़ी झांकिया देखीं तथा आधी रात तक आयोजित होने वाले भजन कीर्तन कार्यक्रमों में शामिल हुए। मथुरा के विभिन्न मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की धूम कल भी जारी रही। विभिन्न मंदिरों में कल भी कई तरह के आयोजन किए गये। वहां श्रीकृष्ण जन्म भूमि को सजाया–संवारा गया था। जन्म स्थान के चारो ओर लड्डू गोपाल की जय जयकार सुनाई दे रही थी। ब्रज मण्डल में श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से सम्बंधित आयोजन फिलहाल जारी रहेंगे।

♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦